हिन्दी भाषा और साहित्य के अध्ययन में ईसाई मिशनारियों का योगदान

विषय - सूची

	पृष्ठ
भूमिका :-	१ — ७
प्रथम अध्याय :-	
(अ) ईसाई मिशनारियों का भारत में आगमन काल	८ — २१
(आ) आगमन के समय हिन्दी भाषा और साहित्य की स्थिति	२२ — ४८
द्वितीय अध्याय :-	
(अ) आगमन में ईसाई मिशनारियों का दृष्टिकोण	४९ — ६३
(क) ईस्ट इण्डिया कम्पनी की भाषा-नीति	६४ — ७८
(ख) फोर्ट विलियम कालेज	७९ — ९४
(आ) धर्म प्रचार का माध्यम तथा हिन्दी भाषा का महत्व	९५ — ११३
(क) ईसाई मिशनरी प्रचार एवं प्रकाशन संस्थाएँ	११४ — १६५
तृतीय अध्याय :-	
ईसाई मिशनारियों द्वारा लिखित हिन्दी ग्रन्थों के विविध अनुवाद कार्य का विवरण तथा विवेचन	
(अ) बाइबिल के अनुवाद	१६६ — २०४
(आ) बाइबिल के अतिरिक्त अन्य ग्रन्थों के अनुवाद	२०५ — २३२

चतुर्थ अध्याय :- पृष्ठ

ईसाई मिशनरियों द्वारा लिखित हिन्दी ग्रन्थों का बहुविध रूप एवं परिचय २३३ — ३७१

(१) कोश (२) व्याकरण (३) इतिहास (४) काव्य

(५) पाठ्य-पुस्तकें

पंचम अध्याय :-

अनुसन्धान के क्षेत्र में ईसाइयों द्वारा किए गए कार्य का विवेचन

(अ) तुलसी-साहित्य पर समीक्षात्मक कार्य का विवेचन ३७२— ४१२

(आ) तुलसी-साहित्य के अतिरिक्त अन्य विषयोंपर किए गए अनुसन्धान कार्य का परिचय तथा विवेचन ४१३ — ४३७

षष्ठ अध्याय :-

ईसाई मिशनरियों द्वारा रचित हिन्दी ग्रन्थों की भाषा का स्वरूप-विवेचन ४३८ — ४७८

सप्तम अध्याय :-

हिन्दी भाषा और साहित्य के अध्ययन में ईसाई मिशनरियों के कार्य का मूल्यांकन ४७९ — ५०४

परिशिष्ट :-

(अ) योगदाताओं का परिचय ५०५ — ५९१

(आ) सहायक पुस्तकों की सूची ५९२ — ६१८

(इ) कतिपय आवश्यक उद्धरण ६१९ — ६४७